

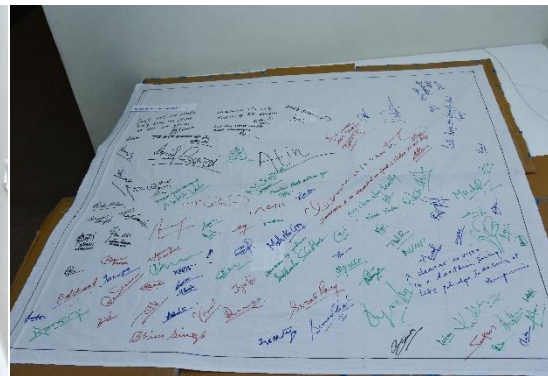


क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र
Regional Centre
for Biotechnology



SWACHH PLEDGE AT RCB ON 1ST MAY 2019

RCB is observing Swachhata Pakhwada during 1st to 15th May 2019. Mass Pledge was organized at RCB on 1st May 2019, wherein faculty, scientists, staff and students took part in large numbers and collectively pledged to devote time to work for cleanliness. This was followed by signing a Swachhata Canvass 2019.



SWACHH PLEDGE

Mahatma Gandhi dreamt of an India which was not only free but also clean and developed.

Mahatma Gandhi secured freedom for Mother India.

Now it is our duty to serve Mother India by keeping the country neat and clean.

I take this pledge that I will remain committed towards cleanliness and devote time for this.

I will devote 100 hours per year, that is two hours per week, to voluntarily work for cleanliness.

I will neither litter nor let others litter.

I will initiate the quest for cleanliness with myself, my family, my locality, my village and my work place.

I believe that the countries of the world that appear clean are so because their citizens don't indulge in littering nor do they allow it to happen.

With this firm belief, I will propagate the message of Swachh Bharat Mission in villages and towns.

I will encourage 100 other persons to take this pledge which I am taking today.

I will endeavour to make them devote their 100 hours for cleanliness.

I am confident that every step I take towards cleanliness will help in making my country clean.

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आजाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूँगा और उसके लिए समय दूँगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूँगा।

मैं न गंदगी करूँगा न किसी और को करने दूँगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूँगा।

मैं यह मानता हूँ कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूँगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊँगा।

वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूँगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।
